नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 328
दि. 01.04.2026, बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

भारत का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम अत्यधिक तेजी से विकसित हो रहा है" : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के साणंद में केन्स टेक्नॉलॉजी के सेमीकंडक्टर प्लांट के उद्घाटन की झलकियां साझा कीं, जो इस सुविधा में उत्पादन की शुरूआत का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि वे 28 फरवरी को माइक्रोन प्लांट में उत्पादन शुरू करने के लिए साणंद में मौजूद थे और ठीक एक महीने बाद केन्स की इस उपलब्धि के लिए वापस आए हैं। प्रधानमंत्री ने भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा की गति को रेखांकित करते हुए कहा, "यह महज एक संयोग नहीं है, बल्कि इस बात का प्रमाण है कि भारत का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम कितनी तेजी से विकसित हो रहा है।"

एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लिखा:

भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के लिए यह वास्तव में गर्व का क्षण है कि साणंद, गुजरात में केन्स सेमीकॉन ओसैट सुविधा का उद्घाटन किया गया है। यह भविष्य की प्रौद्योगिकियों और नवाचार में एक अग्रणी के रूप में उभरने के भारत के प्रयासों को और गति देगा। 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' को इससे और अधिक बल मिलेगा।

"भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग विभिन्न राज्यों में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे अनगिनत युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। अब हम इन प्रयासों को और अधिक विस्तार देने के लिए 'सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' पर काम कर रहे हैं।"

"यह भारत का 'टेकेड' है! प्रौद्योगिकी, एआई और सेमीकंडक्टर्स के क्षेत्र में हमारी पहल का लाभ पूरी मानवता और पूरी दुनिया को मिलने वाला है।"

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के साणंद में केन्स टेक्नाजी प्लांट का शुभारंभ किया

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात के साणंद में Kaynes Technology के सेमीकंडक्टर प्लांट का शुभारंभ किया। इसके साथ ही इस केंद्र में उत्पादन कार्य शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि वे 28 फरवरी को Micron प्लांट में उत्पादन शुरू होने के अवसर पर साणंद में मौजूद थे, और ठीक एक महीने बाद Kaynes की इस उपलब्धि के अवसर पर फिर से यहाँ आए हैं। प्रधानमंत्री ने भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा की गति की जानकारी दी। श्री मोदी ने कहा, "यह महज एक संयोग नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि भारत का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम कितनी तेजी से विकसित हो रहा है।"

प्रधानमंत्री ने Kaynes Technology के नेतृत्व, गुजरात सरकार और प्लांट में कार्यरत सभी कर्मचारियों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि एक भारतीय कंपनी ने सेमीकंडक्टर चिप निर्माण के क्षेत्र में कदम रखा है। उन्होंने बताया कि Kaynes अब वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बन गई है।

श्री मोदी ने कहा, "यह एक शानदार शुरूआत है। आने वाले दिनों में, कई भारतीय कंपनियाँ वैश्विक सहयोग के माध्यम से दुनिया को मजबूत सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला प्रदान करेंगी।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की यह उपलब्धि वास्तव में 'Make in India, Make for the World' (भारत में बनाओ, दुनिया के लिए बनाओ) के मंत्र को साकार करती है। यह प्लांट कैलिफोर्निया स्थित एक कंपनी को 'इंटेलिजेंट पावर मॉड्यूल्स' की आपूर्ति कर रहा है और इसके उत्पादन का बड़ा हिस्सा पहले ही निर्यात के लिए बुक हो चुका है। उन्होंने कहा कि साणंद और सिलिकॉन वैली के बीच असल में एक नया पुल बन गया है। श्री मोदी ने जोर देकर कहा, "साणंद में बने ये मॉड्यूल्स अमरीकी कंपनियों तक पहुँचेंगे और वहाँ से पूरी दुनिया को ऊर्जा प्रदान करेंगे।"

प्रधानमंत्री ने इस फैक्टरी में बन रहे इंटेलिजेंट पावर मॉड्यूल्स के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ये भारत और दुनिया, दोनों जगह इलेक्ट्रिक वाहन इकोसिस्टम और भारी उद्योगों को मजबूत करेंगे। उन्होंने ऐसी वैश्विक साझेदारियों को दुनिया के बेहतर भविष्य की नींव बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा, "यह सिर्फ.एक प्रोडक्ट की बात नहीं है, यह भारत के वैश्विक बाजार में भरोसेमंद सेमीकंडक्टर सप्लायर बनने की बात है।"

महामारी से लेकर भू-राजनीतिक संघर्षों तक इस दशक में आई चुनौतियों पर विचार करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक सप्लाई चेन, खासकर चिप्स, दुर्लभ खनिज और ऊर्जा के क्षेत्र में, सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं।

मालवन का अंतरण - कोच्चि स्थित कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित उथले जल का दूसरा पनडुब्बी-रोधी युद्धपोत

(एजेंसी)।

कोच्चि स्थित कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा निर्मित आठ उथले जल के पनडुब्बी-रोधी जहाजों (एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी) में से दूसरा युद्धपोत, 'मालवान', 31 मार्च 2026 को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया।

इस पोत को कोच्चि स्थित सीएसएल द्वारा भारतीय नौसेना की विशिष्टताओं के अनुसार, डीएनवी के वर्गीकरण नियमों के तहत स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया गया है।

'मालवन' नाम महाराष्ट्र के ऐतिहासिक तटीय शहर मालवन से लिया गया है; यह क्षेत्र छत्रपति शिवाजी महाराज की गौरवशाली समुद्री विरासत से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह पोत पूर्ववर्ती आईएनएस मालवन की विरासत को भी संजोए हुए है, जो भारतीय नौसेना का एक 'माइनस्वीपर' (बारूदी सुरंग हटाने वाला जहाज) था और 2003 तक सेवा में रहा था। इस प्रकार, यह युद्धपोत प्रतिष्ठित जहाजों के नामों को संरक्षित रखने की नौसैनिक परंपरा को आगे बढ़ाता है।

यह युद्धपोत पानी के भीतर निगरानी, तटीय जलक्षेत्र में पनडुब्बी-रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू) अभियानों, कम तीव्रता वाली समुद्री गतिविधियों (एलआईएमओ) के साथ-साथ समुद्री युद्धक क्षमताओं से सुसज्जित है। यह जहाज लगभग 80 मीटर लंबा और 1,100 टन भार वाला है। वाटरजेट से चलने वाला यह एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी युद्धपोत टॉरपीडो, बहु-कार्यकारी पनडुब्बी-रोधी रॉकेट तथा अत्याधुनिक सेंसरों से लैस है, जिसमें उन्नत रडार व सोनार प्रणालियां शामिल हैं, जो इसकी परिचालन क्षमता को और सशक्त बनाती हैं।

मालवन जहाज 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ तैयार किया गया है, जो स्वदेशी युद्धपोत निर्माण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनकर उभरा है। यह 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को साकार करता है।

भारतीय वायु सेना के लिए पर्वतीय रडारों के लिए 1950 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर

आत्मनिर्भर भारत और मेक-इन-इंडिया के तहत भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के उद्देश्य से रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए लगभग 1950 करोड़ रुपये की लागत वाली दो माउंटेन रडार, संबंधित उपकरण और आवश्यक बुनियादी ढांचे की खरीद हेतु भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण पूंजी अधिग्रहण अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। बाय (भारतीय स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण) श्रेणी के तहत इस अनुबंध पर 31 मार्च, 2026 को नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने कोबा तीर्थ में सम्राट सम्प्रति संग्रहालय के उद्घाटन के दौरान अपने भाषण की कुछ झलकियां साझा की

भगवान महावीर जयंती के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के गांधीनगर स्थित कोबा तीर्थ में जैन विरासत सम्राट संप्रति संग्रहालय के उद्घाटन समारोह की झलकियां साझा कीं। श्री मोदी ने कहा कि कोबा तीर्थ आध्यात्मिक शांति से परिपूर्ण है, एक ऐसा स्थान जहां असंख्य जैन मुनियों और संतों की तपस्या को अभिव्यक्ति मिली, और जहां सृजन तथा सेवा स्वाभाविक रूप से फलती-फूलती है।

उप्रः एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के लिए होगी 'मुख्यमंत्री फेलो' की तैनाती

(एजेंसी)।

लखनऊ, 31 मार्च (भाषा) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को 'एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था' बनाने के लक्ष्य को रफ्तार देने के लिए हर जिले में 'मुख्यमंत्री फेलो' की तैनाती के निर्देश दिये।

राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने मंगलवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में कहा कि आकांक्षात्मक विकास खंडों और आकांक्षी नगर निकाय कार्यक्रम की तर्ज पर जिला स्तर पर आर्थिक विकास को साक्ष्य-आधारित एवं परिणामोन्मुख बनाया जाना चाहिए।

बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इसके लिए हर जिले में दो विशेषज्ञ, एक आर्थिक विकास विशेषज्ञ और एक डेटा विश्लेषक को 'मुख्यमंत्री फेलो' के रूप में तैनात किया जाए।

आदित्यनाथ ने कहा कि इन विशेषज्ञों के माध्यम से स्थानीय संसाधनों, निवेश के अवसरों एवं आर्थिक संभावनाओं का साक्ष्य-आधारित विश्लेषण कराया जाए और जिला-केन्द्रित विकास रणनीतियों के निर्माण में जिला ओटीडी प्रकोष्ठ को सशक्त किया जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि 'मुख्यमंत्री फेलो' द्वारा जिला स्तर पर संचालित आर्थिक गतिविधियों की मासिक प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन डैशबोर्ड पर अपलोड की जाए।

उन्होंने कहा कि साथ ही प्रमुख सचिव-सचिव स्तर पर त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट एवं प्रस्तुतिकरण सुनिश्चित किया जाए।

योगी ने 'मुख्यमंत्री फेलो' के चयन मानदंडों की चर्चा करते हुए कहा कि इन पदों के लिए उच्च शैक्षणिक योग्यता एवं तकनीकी दक्षता सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से जिला स्तर पर डेटा-आधारित निर्णय प्रणाली को सुदृढ़ किया जाना चाहिये।

लोकसभा अध्यक्ष ने 'माटी - 9' महोत्सव में पूर्वांचल की सांस्कृतिक विरासत की सराहना की

(एजेंसी)।

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज पूर्वांचल महोत्सव 'माटी - 9' में एक विशिष्ट सभा को संबोधित किया। यह महोत्सव पूर्वांचल क्षेत्र की कला, खान-पान, पर्यटन और विरासत के जश्न को समर्पित है। "माटी" (मिट्टी) विषय पर आधारित यह कार्यक्रम इस क्षेत्र के लोगों और उनकी पैतृक जड़ों के बीच के गहरे संबंध का रेखांकित करता है।

इस अवसर पर श्री बिरला ने भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान में पूर्वांचल के योगदान की सराहना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूर्वांचल की "माटी" केवल मिट्टी नहीं है; यह लचीलेपन, परंपरा और जीवंत सामुदायिक भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा, "हमारी मिट्टी की खुशबू ही हमारी पहचान को परिभाषित करती है।" उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि 'माटी 9' जैसे उत्सव यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं कि युवा वैश्विक सफलता प्राप्त करने के बाद भी अपनी जड़ों से जुड़े रहें।

सांस्कृतिक संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, श्री बिरला ने स्थानीय बोलियों, लोक कलाओं और पारंपरिक व्यंजनों को सुरक्षित रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये तत्व न केवल इतिहास को सहेजते हैं, बल्कि भारत के राष्ट्रीय ताने-बाने को भी मजबूत करते हैं। इसके अलावा, उन्होंने पूर्वांचल के सांस्कृतिक पर्यटन के केंद्र के रूप में उभरने पर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि यहाँ की अनूठी विरासत स्थानीय उद्यमिता और आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी।

उन्होंने पूर्वांचल के प्रवासियों की भी प्रशंसा की और कहा कि विदेशों में रहने वाले यहां के लोग अपनी मातृभूमि के मूल्यों को बनाए रखे हुए हैं और वैश्विक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

श्री बिरला ने कहा, "आज पूर्वांचल के लोगों ने देश और दुनिया भर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।" उन्होंने उल्लेख किया कि संसद के गलियारों से लेकर ग्रामीण समाज के जमीनी स्तर तक - और स्थानीय गांवों से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों तक - पूर्वांचल के लोगों की प्रतिभा और प्रतिबद्धता राष्ट्र के लिए एक प्रेरक शक्ति बनी हुई है।

राष्ट्रीय जल पुरस्कार दिया जाना सराहनीय

राष्ट्रपति ने नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लिया

(एजेंसी)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लिया और छात्रों को संबोधित भी किया।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि आज का दीक्षांत समारोह एक सभ्यतागत वादे की पुष्टि हैः एक वादा कि ज्ञान कायम रहेगा, संवाद प्रबल रहेगा और शिक्षा मानवता की सेवा करती रहेगी। उन्होंने स्नातक छात्रों को बधाई दी और कहा कि उनकी उपलब्धियां दृढ़ता, अनुशासन और बौद्धिक प्रतिबद्धता का परिणाम हैं। उन्होंने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि आज स्नातक होने वाले छात्रों में से आधे से अधिक 30 से अधिक देशों के अंतर्राष्ट्रीय छात्र हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय लगभग आठ शताब्दियों तक ज्ञान के एक प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में स्थापित रहा। नालंदा का पतन न केवल भारत के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए एक बहुत बड़ी क्षति थी। फिर भी, नालंदा की अवधारणा जीवित रही। हमारे समय में इसका पुनरुत्थान आधुनिक संदर्भ में उस गौरवशाली विरासत को पुनः स्थापित करने की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह पुनरुत्थान दूरदर्शी नेतृत्व, निरंतर संस्थागत प्रयासों और सहयोगी देशों के समन्वय के माध्यम से संभव हुआ है। यह इस बात का उदाहरण है कि कैसे विविध राष्ट्र साझा मूल्यों द्वारा निर्देशित होकर उच्च लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्राचीन नालंदा ने विविध विचारधाराओं का स्वागत किया और वाद-विवाद एवं संवाद की संस्कृति को बढ़ावा दिया। यहां ज्ञान को कभी भी पृथक रूप में नहीं देखा गया, बल्कि यह नैतिकता, समाज और मानवता के व्यापक कल्याण से अभिन्न रूप से जुड़ा रहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह आदर्श आज भी अत्यंत प्रासंगिक है। ऐसे समय में जब विश्व अनेक जटिल चुनौतियों का सामना कर रहा है।

ईरान का महाविनाशक प्लान, गुगल-एमाजन के दफ्तर उड़ाने की तैयारी, 18 कंपनियों की हिटलिस्ट जारी

(एजेंसी)।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव अब एक बेहद खतरनाक मोड़ पर आ गया है। ईरान ने पहली बार सीधे तौर पर गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी दिग्गज अमेरिकी टेक कंपनियों को निशाना बनाने की धमकी दी है। ईरान का आरोप है कि इन कंपनियों की क्लाउड सर्विस और एआई (अक) तकनीक का इस्तेमाल सैन्य अभियानों और खुफिया जानकारी जुटाने में किया जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह संघर्ष आगे बढ़ा, तो इसका असर न केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया का डिजिटल और आर्थिक सिस्टम चरमरा सकता है।

निशाने पर क्यों हैं ये दिग्गज कंपनियां?

ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान ने गूगल, अमेजन और एनविडिया जैसी कंपनियों को चेतावनी दी है। ईरान का मानना है कि ये कंपनियां केवल व्यापार नहीं कर रही हैं, बल्कि इनकी तकनीक का इस्तेमाल युद्ध में इजराइल और अमेरिका की मदद के लिए हो रहा है। ईरान ने साफ कर दिया है कि अगर क्षेत्रीय युद्ध फैलता है, तो वह इन कंपनियों के डेटा सेंटर और दफ्तरों को सैन्य ठिकाना मानकर उन पर हमला कर सकता है।

ये भी पढेंः क२ंल्ल ९२ ओ१ूः ईरान में हो गया तख्तापलट! अमेरिका के इशारे पर चल रही सरकार, ट्रंप के युद्ध मंत्री का दावा

खाड़ी देशों और इजराइल में मौजूद ठिकानों पर खतरा

ईरान ने विशेष रूप से उन ठिकानों को चिन्हित किया है जो इजराइल और कुछ खाड़ी देशों में स्थित हैं। इन देशों में अमेरिकी कंपनियों के बड़े डेटा सेंटर और रीजनल ऑफिस मौजूद हैं। ईरान का दावा है कि इन जगहों से सैन्य सूचनाओं का आदान-प्रदान होता है। रिपोर्ट में पैलेंटिर और ओरैकल जैसी कंपनियों के नाम भी शामिल हैं। ईरान की इस धमकी ने इन देशों में काम कर रहे हजारों कर्मचारियों और वहां मौजूद अरबों डॉलर के इंफ्रास्ट्रक्चर को खतरे में डाल दिया है।

बैंक और आर्थिक संस्थानों को भी दी चेतावनी

सिर्फ टेक कंपनियां ही नहीं, ईरान ने अब आर्थिक संस्थानों को भी अपनी रडार पर ले लिया है। ईरान के सैन्य प्रवक्ता ने चेतावनी दी है कि क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी और इजरायली बैंक और वित्तीय केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं। ईरान ने इसे अपने एक बैंक पर हुए हमले का बदला बताया है।

ईरानी अधिकारियों ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इन आर्थिक केंद्रों और बैंकों से कम से कम एक किलोमीटर की दूरी बनाए रखें, क्योंकि ये कभी भी हमले की चपेट में आ सकते हैं।

अगर ईरान इन टेक कंपनियों या इनके इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करता है, तो इसका परिणाम पूरी दुनिया के लिए विनाशकारी हो सकता है। आज की ग्लोबल इकोनॉमी पूरी तरह से क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल डेटा पर टिकी है। गूगल या माइक्रोसॉफ्ट के डेटा सेंटर पर आंच आने का मतलब है ग्लोबल स्टॉक मार्केट और बैंकिंग सेवाओं का ठप होना। एक्सपर्ट्स इसे 'इकोनॉमिक टेररिज्म' और 'साइबर वॉर' का मिला-जुला रूप मान रहे हैं, जिससे पूरी दुनिया में मंदी और डिजिटल ब्लैकआउट का खतरा पैदा हो गया है।

तीन साल से पुल का रास्ता बंद, ग्रामीण आक्रोशित:पीलीभीत में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, प्रशासन को दो महीने का अल्टीमेटम

(एजेंसी)।

पीलीभीत/अमरिया,देवहा नदी पर बने भंगा पुल की एप्रोच रोड तीन साल से क्षतिग्रस्त होने से डेढ़ लाख ग्रामीण परेशान हैं। सोमवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

ग्रामीणों ने बताया कि 2015 में निर्मित यह पुल तीन वर्ष पूर्व नदी के तेज बहाव से क्षतिग्रस्त हो गया। पुल की एक साइड की एप्रोच रोड बह जाने से भंगा, भिखारीपुर, टांडा, माधोपुर, मझलिया, पिंजरा, बरा, धुंधरी, दुरानिया, नूतपुर व सिमरिया सहित लगभग 50 गांवों का संपर्क कट गया है। प्रभावित आबादी को जान जोखिम में डालकर या लंबा चक्कर लगाकर आवागमन करना पड़ रहा है, जिससे व्यापार व बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और दो महीने (60 दिन) का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एप्रोच रोड का निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो पुल पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर देंगे। पदाधिकारियों ने विभाग की उदासीनता पर खेद जताया और उग्र आंदोलन की धमकी दी।

पीलीभीत जिलाधिकारी ने देवीपुरा गौशाला का किया निरीक्षण, मॉडल गौशाला बनाने पर जोर

(एजेंसी)।

पीलीभीत, 31 मार्च 2026। जिले के जिलाधिकारी ने आज देवीपुरा स्थित गौशाला का औचक निरीक्षण किया और इसे मॉडल गौशाला के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान डीएम ने गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा पशुओं की देखभाल, चारा व्यवस्था और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौशाला प्रबंधन से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने पाया कि गौशाला में वर्तमान में सैकड़ों गोवंश मौजूद हैं और उनकी देखभाल के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं। डीएम ने निर्देश दिए कि गौशाला को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाए, जिसमें साइलेज निर्माण इकाई, वैज्ञानिक चारा प्रबंधन और पशु चिकित्सा केंद्र शामिल हों। उन्होंने कहा कि मॉडल गौशाला विकसित करने से न केवल स्थानीय स्तर पर गोवंश संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि किसानों को भी लाभ होगा।

इस अवसर पर डीएम ने गौशाला में बायोगैस प्लांट और कम्पोस्ट यूनिट स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि अपशिष्ट प्रबंधन से ऊर्जा उत्पादन और जैविक खाद का निर्माण हो सके। उन्होंने स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों और गौशाला समिति को चारा उत्पादन के लिए सामुदायिक खेती को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। निरीक्षण में पशु चिकित्सालय अधीक्षक, स्थानीय तहसीलदार और गौशाला प्रभारी भी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि गौशाला को मॉडल बनाने का लक्ष्य गौसंरक्षण को मजबूत करना है। उन्होंने अधिकारियों को एक माह के अंदर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए। यह प्रयास जिले में चल रही गौशाला विकास योजनाओं का हिस्सा है, जिसके तहत कई अन्य गौशालाओं को भी मजबूत किया जा रहा है। स्थानीय निवासियों ने इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे क्षेत्र में पशुपालन को नई दिशा मिलेगी।

युवक ने विवाहिता को शादी का लालच देकर भगाया, पति की शिकायत पर पीलीभीत पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया

(एजेंसी)।

पीलीभीत/थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के एक गांव में विवाहिता को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित पति की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही युवक के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पांच साल के मासूम बेटे को छोड़कर महिला के गायब होने से परिवार में सन्नाटा पसर गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित युवक की शादी 2019 में हुई थी और दंपति का एक पांच वर्षीय बेटा है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी युवक उसकी गैर-हाजिरी में पत्नी से फोन पर बातचीत करता था। 30 मार्च रात करीब 10 बजे, जब परिवार सो रहा था, आरोपी ने महिला को शादी का वादा कर भगा लिया। रिश्तेदारों और आसपास तलाश के बावजूद महिला का सुराग नहीं लगा, तो पति थाने पहुंचा।

थाना अध्यक्ष नरेश त्यागी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज हो गया है। महिला की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई है। मोबाइल लोकेशन और अन्य साक्ष्यों के आधार पर तलाश तेज कर दी गई है।

घटना के बाद गांव में चचाओं का बाजार गर्म है, जबकि परिवार शोक में डूबा है। प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

यूपीटेट-2026 की फीस कम करने की मांग तेज, प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक लगाई गुहार

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

प्रयागराज

उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट-2026) की आवेदन फीस को लेकर प्रदेश में विरोध तेज होता दिख रहा है। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (एक्स) के माध्यम से पत्र भेजकर फीस कम करने की मांग की है। अनिल सिंह का कहना है कि झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा में अभ्यर्थियों को राहत देते हुए प्राथमिक और उच्च प्राथमिक दोनों स्तर के लिए मात्र 1500 रुपये शुल्क लिया जा रहा है। जबकि उत्तर प्रदेश में यही शुल्क 2,000 रुपए निर्धारित किया गया है। उन्होंने इसे बेरोजगार युवाओं के साथ अन्याय बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा अत्यधिक फीस वसूली की जा रही है, जो आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थियों पर अतिरिक्त बोझ डालती है। इस संबंध में आयोग के अध्यक्ष को संबोधित ज्ञापन उप सचिव संजय सिंह को पहले ही सौंपा जा चुका है लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि संघ लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग जैसी प्रमुख भर्ती संस्थाएं अपेक्षाकृत कम शुल्क लेती हैं। ऐसे में शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा अधिक फीस वसूली पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की है कि बेरोजगार युवाओं के हित को ध्यान में रखते हुए यूपी टेट-2026 की आवेदन फीस में शीघ्र कटौती की जाए। ताकि अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को अवसर मिल सके।

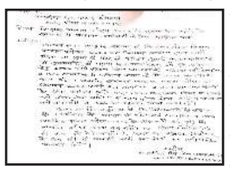

ओडिशा में राकेश टिकैत गिरफ्तार:भाकियू कार्यकर्ताओं ने थाने घेरे, जोरदार प्रदर्शन

(एजेंसी)।

पीलीभीत/ओडिशा में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की गिरफ्तारी के विरोध में पीलीभीत जिले के किसानों ने सोमवार को कोतवाली और थाने घेरकर प्रदर्शन किया। भाकियू (टिकैत गुट) के कार्यकर्ताओं ने पूरनपुर कोतवाली और शहर के सुनगढ़ी थाने पर धरना देकर ओडिशा सरकार व पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

सोमवार शाम करीब सात बजे प्रदेश सचिव स्वराज सिंह के नेतृत्व में भाकियू कार्यकर्ता पूरनपुर कोतवाली पहुंचे। उन्होंने किसानों की समस्याओं पर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे राकेश टिकैत की गिरफ्तारी को आवाज दबाने की साजिश बताया। स्वराज सिंह ने कहा, "राकेश टिकैत ओडिशा में किसानों की पीड़ा को उठा रहे थे, लेकिन प्रशासन ने उन्हें गिरफ्तार कर लोकतंत्र का गला घोंट दिया।"

उधर, पीलीभीत शहर में युवा जिलाध्यक्ष गुरदीप सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सुनगढ़ी थाने का घेराव किया। थाने के परिसर में दरी बिछाकर धरना दिया गया। गुरदीप सिंह ने चेतावनी दी कि यदि टिकैत को तत्काल रिहा नहीं किया गया, तो किसान सड़कों पर उतरकर आंदोलन तेज करेंगे।

प्रदर्शन में स्वराज सिंह, नगेंद्र सिंह, संदीप सिंह, गुरबाज सिंह, जगतार सिंह, हरजीत सिंह, सलमान खान, मनमोहन सिंह, आमिर खान, जसपाल सिंह, कुलवंत सिंह सहित सैकड़ों किसान शामिल रहे। उन्होंने कहा कि यह गिरफ्तारी किसान आंदोलन को कुचलने की कोशिश है, जिसका एकजुट जवाब दिया जाएगा।

सनातनी किन्नर अखाड़े की भव्य यात्रा, ट्रांसजेंडर डे ऑफ विजिबिलिटी पर दिखा उत्साह और एकजुटता

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

प्रयागराज

ट्रांसजेंडर डे ऑफ विजिबिलिटी पर के अवसर पर सनातनी किन्नर अखाड़े ने भव्य यात्रा निकाली। इसमें तृतीय पंथी समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान पूरा माहौल रंग-बिरंगे गुब्बारों, बैनरों और उत्साह से सराबोर नजर आया। यात्रा की अगुवाई अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर एवं किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य कौशल्या नंद गिरी ने की। यह यात्रा सिविल लाइंस हनुमान मंदिर से शुरू होकर धरना स्थल तक निकाली गई। इस दौरान तृतीय पंथी समुदाय ढोल-नगाड़ों की धुन पर झूमते-गाते नजर आया। पूरे रास्ते

उत्सव जैसा माहौल बना रहा। यात्रा में शामिल लोगों ने न केवल नृत्य और गीतों के जरिए अपनी खुशी जाहिर की, बल्कि नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर समाज को जागरूक करने का भी प्रयास किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कौशल्या नंद गिरी ने कहा कि यह दिन किन्नर समाज के लिए अपनी पहचान और अधिकारों को मजबूती से रखने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमें भी समाज में खुलकर और सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। हम शरीर से भले ही किन्नर हों, लेकिन हमारी सोच और क्षमताएं किसी से कम नहीं हैं। यदि अवसर मिले तो हम भी आम महिला और पुरुष की तरह हर क्षेत्र में काम कर सकते हैं। उन्होंने समाज से अपील की कि किन्नर समुदाय के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न किया जाए क्योंकि वे भी समाज का अभिन्न अंग हैं। यह यात्रा न केवल उत्सव का प्रतीक रही, बल्कि समाज में समानता, सम्मान और स्वीकार्यता का संदेश भी देती नजर आई।

पीलीभीत में मिशन शक्ति फेज 5.0: 'बाल विवाह को नो' थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(एजेंसी)।

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत में जिलाधिकारी महोदय के आदेशों तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी के निदेर्शों के क्रम में मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत 'बाल विवाह को नो' थीम पर जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करने हेतु लोगों को जागरूक करना था।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन शामिल हुए। जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि बालिकाओं के भविष्य को भी नष्ट करता है। उन्होंने उपस्थितजनों को बाल विवाह रोकने हेतु हेल्पलाइन नंबरों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।

मिशन शक्ति के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनी एवं निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से बाल विवाह के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला गया। जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार, जागरूकता अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में संकल्प लिया गया कि पीलीभीत जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सभी मिलकर प्रयास करेंगे।

सोरांव कांड : मासूम से दरिंदगी के बाद हत्या 18 महीनों में मिला इंसाफ अदालत ने सुनाई फांसी

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

सोरांव क्षेत्र में मासूम बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय ने आरोपी को फांसी की सजा सुनाकर कड़ा संदेश दिया है। करीब डेढ़ साल तक चली सुनवाई के बाद 26 मार्च 2026 को अदालत ने आरोपी मुकेश को दोषी करार दिया और अब उसे मृत्युदंड दिया गया है। यह फैसला न सिर्फ पीड़ित परिवार के लिए न्याय की उम्मीद लेकर आया है, बल्कि समाज में ऐसे जघन्य अपराधों के खिलाफ सख्त संदेश भी देता है।

घटना की भयावह कहानी

सोरांव पुलिस के अनुसार, 3 अक्टूबर 2024 की शाम बच्ची शिवगढ़ चौराहे के पास लगे दुर्गा पूजा पंडाल में गई थी। शाम करीब 6.30 बजे वह घर लौट रही थी, लेकिन रास्ते में ही लापता हो गई। परिजन की तलाश के बीच अगले दिन गांव के बाहर धान के खेत में उसका शव मिला, जिसे देखकर हर कोई सिहर उठा।

मासूम के शरीर पर दरिंदगी के निशान मासूम के चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें, हाथ-पैर और दांत टूटे हुए, मुंह से खून और झाग निकल रहा था और निजी अंग बुरी तरह क्षत-विक्षत थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म के बाद हत्या की पुष्टि हुई।

जांच में खुलासा और गिरफ्तारी

मां की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस जांच के दौरान अहम सुराग मिला कि घटना वाली शाम आरोपी मुकेश बच्ची को साइकिल पर बैठाकर ले जाता देखा गया था। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश तेज की। 16 अक्टूबर 2024 को गंगानगर क्षेत्र में पुलिस ने आरोपी को घेर लिया। खुद को घिरता देख उसने फायरिंग कर भागने की कोशिश की, लेकिन जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और वह पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना अपराध कबूल किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पहले दुष्कर्म किया और फिर पहचान छिपाने के लिए बच्ची के चेहरे पर कई वार किए, दांत तोड़ दिए और हाथ भी तोड़ डाले।

तेजी से चली न्यायिक प्रक्रिया

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तेजी से जांच पूरी की और 10 दिसंबर 2024 को आरोप पत्र दाखिल किया। 21 दिसंबर 2024 को अदालत ने आरोप तय किए। इसके बाद सुनवाई के दौरान तमाम साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर 26 मार्च 2026 को आरोपी को दोषी ठहराया गया।

49 वर्षों में 10वीं फांसी की सजा

प्रयागराज के जिला एवं सत्र न्यायालय में पिछले 49 वर्षों में यह फांसी की 10वीं सजा है, जो इस मामले की गंभीरता और अदालत के सख्त रुख को दशार्ती है।

समाज को सख्त संदेश

इस फैसले से यह साफ हो गया है कि मासूमों के साथ हैवानियत करने वालों को कानून किसी भी सूरत में बख्शने वाला नहीं है। यह निर्णय न सिर्फ पीड़ित परिवार के लिए न्याय है, बल्कि समाज में कानून के प्रति विश्वास को भी मजबूत करता है।

मेट्रो लाइन-9 का पहला फेज 3 अप्रैल से शुरू, 1 घंटे का सफर होगा अब 20 मिनट में

(एजेंसी)।

मुंबई महानगर क्षेत्र के लाखों यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। मुंबई मेट्रो लाइन-9 का पहला चरण 3 अप्रैल 2026 को शुरू होने जा रहा है। यह फेज दहिसर ईस्ट से काशीगांव तक फैला हुआ है। खासतौर पर मीरा-भायंदर के लोगों के लिए गेम-चेंजर साबित होने वाला है।

करीब 4.5 से 4.97 किलोमीटर लंबे इस एलिवेटेड कॉरिडोर में पांडुरंग वाडी और मीरा गांव जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन शामिल हैं। इस मेट्रो लाइन के शुरू होने से यात्रियों को अब भारी ट्रैफिक जाम से छुटकारा मिलेगा, खासकर वेस्टर्न एक्सप्रेसवे हाईवे पर लगने वाले लंबे जाम से राहत मिलने की उम्मीद है।

घंटों का सफर होगा कुछ मिनट में

- अभी तक मीरा-भायंदर से अंधेरी या अन्य पश्चिमी उपनगरों तक पहुंचने में लोगों को 50 मिनट या उससे अधिक समय लग जाता है।

- इस मेट्रो सेवा के शुरू होने के बाद यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा और सफर ज्यादा सुविधाजनक बनेगा।

- इस परियोजना की एक खास बात इसका डबल-डेकर डिजाइन है, जिसमें मेट्रो लाइन के साथ-साथ फ्लाईओवर का निर्माण भी किया गया है।

मेट्रो रूट के साथ ही गोल्डन नेस्ट फ्लाईओवर के भी इसी समय शुरू होने की संभावना है, जिससे सड़क यातायात को और अधिक सुगम बनाया जा सकेगा। मेट्रो लाइन 9 का यह पहला चरण मुंबई मेट्रो नेटवर्क के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में इस लाइन को और आगे बढ़ाकर पूरे मीरा-भायंदर क्षेत्र को मुंबई के मुख्य मेट्रो नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

इस प्रोजेक्ट के चालू होने से न केवल यात्रा आसान होगी, बल्कि क्षेत्र में रियल एस्टेट और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना मुंबई के उपनगरीय इलाकों में सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकती है। मेट्रो निर्माण के बाद से ही इन इलाकों में प्रॉपटी के दाम तेजी से बढ़े हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

आज के युग में भी भगवान महावीर की शिक्षा सार्थक

भगवान महावीरः सत्य, तप और संयम की शाश्वत संहिता प्रतिवर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी के दिन जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थकर भगवान महावीर का जन्मोत्सव मनाया जाता है। महावीर जयंती इस वर्ष 31 मार्च को मनाईं जा रही है। जैन धर्म के जानकारों के अनुसार भगवान महावीर का जन्म 599 ईंसा पूर्व बिहार के वुंडलपुर के राजघराने में हुआ था। भगवान महावीर ने जीवन पर्यन्त अपने अमृत वचनों से समस्त मानव जाति को ऐसी अनुपम सौगात दी, जिन पर अमल करके मानव चाहे तो इस धरती को स्वर्ग बना सकता है। 'अहिसा परमो धर्मः' सिद्धांत के लिए जाने जाते रहे भगवान महावीर का अहिसा दर्शन आज के समय में सर्वाधिक प्रासंगिक और जरूरी प्रतीत होता है क्योंकि वर्तमान समय में मानव अपने स्वार्थ के वशीभूत कोईं भी अनुचित कार्यं करने और अपने फायदे के लिए हिसा के लिए भी तत्पर दिखाईं देता है। महावीर का जन्म होते ही उनके पिता राजा सिद्धार्थ के राज्य, मान-प्रतिष्ठा और धन- धान्य में वृद्धि होने लगी थी, इसीलिए उनका नाम वर्धमान रखा गया था और चूंकि वर्धमान बचपन से ही बड़े साहसी व निभाक थे, इसीलिए उनके पराम के कारण आगे चलकर वे महावीर के नाम से प्रसिद्ध हुए। आज के परिवेश में हम जिस प्रकार की समस्याओं और जटिल परिस्थितियों में घिरे हैं, उन सभी का समाधान महावीर के सिद्धांतों और दर्शन में समाहित है। भगवान महावीर कहा करते थे कि जिस जन्म में कोईं भी जीव जैसा कर्म करेगा, भविष्य में उसे वैसा ही फल मिलेगा। वह कमार्नुसार ही देव, मनुष्य, नारक व पशु-पक्षी की योनि में भ्रमण करेगा। कर्म स्वयं प्रेरित होकर आत्मा को नहीं लगते बल्कि आत्मा कर्मो को आवृष्ट करती है। वह कहते थे कि रूग्णजनों की सेवा-सुश्रुषा करने का कार्यं प्रभु की परिचर्या से भी बढ़कर है। अपने जीवनकाल में उन्होंने ऐसे अनेक उपदेश और अमृत वचन दिए, जिन्हें अपने जीवन तथा आचरण में अमल में लाकर हम अपने मानव जीवन को सार्थक बना सकते हैं। भगवान महावीर का कहना था कि जो मनुष्य स्वयं प्राणियों की हिसा करता है या दूसरों से हिसा करवाता है अथवा हिसा करने वालों का समर्थन करता है, वह जगत में अपने लिए बैर बढ़ाता है। अहिसा की तुलना संसार के सबसे महान्‍ व्रत से करते हुए उनका कहना था कि संसार के सभी प्राणी बराबर हैं, अतः हिसा को त्यागिए और 'जीओ व जीने दो' का सिद्धांत अपनाइए। वे कहते थे कि संसार में प्रत्येक जीव अवध्य है, अतः आवश्यक बताकर की जाने वाली हिसा भी हिसा ही है और वह जीवन की कमजोरी है। उनके अनुसार छोटे-बड़े किसी भी प्राणी की हिसा न करना, बिना दी गईं वस्तु स्वयं न लेना, विश्वासघाती असत्य न बोलना, यह आत्मा निग्रह सद्पुरूषों का धर्म है। जो लोग कष्ट में धैर्य को स्थिर नहीं रख पाते, वे अहिसा की साधना नहीं कर सकते। अहिसक व्यक्ति तो अपने से शत्रुता रखने वालों को भी अपना प्रिय मानता है। उनका कहना था कि संसार में रहने वाले चल और स्थावर जीवों पर मन, वचन एवं शरीर से किसी भी तरह के दण्ड का प्रयोग नहीं करना चाहिए। भगवान महावीर के अनुसार किसी भी प्राणी की हिसा न करना ही ज्ञानी होने का एकमात्र सार है और यही अहिसा का विज्ञान है। जिस प्रकार अणु से छोटी कोईं वस्तु नहीं और आकाश से बड़ा कोईं पदार्थ नहीं, उसी प्रकार अहिसा के समान संसार में कोईं महान्‍ व्रत नहीं। महावीर के शब्दों में कहें तो ज्ञानी होने का यही एक सार है कि वह किसी भी प्राणी की हिसा न करे और यही अहिसा का विज्ञान है। धर्म को लेकर भगवान महावीर का मत था कि धर्म उत्वृष्ट मंगल है और अहिसा, तप व संयम उसके प्रमुख लक्षण हैं। जिन व्यत्तियों का मन सदैव धर्म में रहता है, उन्हें देव भी नमस्कार करते हैं। अपने प्रवचनों में वह कहते थे कि ब्रा१ाण वुल में पैदा होने के बाद यदि कर्म श्रेष्ठ हैं तो वही व्यत्ति ब्रा१ाण है किन्तु ब्रा१ाण वुल में जन्म लेने के बाद भी यदि वह हिसाजन्य कार्यं करता है तो वह ब्रा१ाण नहीं है जबकि नीच वुल में पैदा होने वाला व्यत्ति अगर सुआचरण, सुविचार एवं सुवृत्य करता है तो वह बा१ाण है।

खेल सचिव हरि रंजन राव ने उद्योग जगत से भारत को आईएसजीएफ 2026 में खेल सामग्री विनिर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने का आग्रह किया

'भारत के खेल सामग्री उद्योग के लिए यह सुनहरा अवसर है; बड़े सपने देखें और वैश्विक स्तर पर विस्तार करें': सचिव (खेल) हरि रंजन राव

'खेल विनिर्माण क्षेत्र के लिए अगला दशक परिवर्तनकारी साबित हो सकता है': संयुक्त सचिव, खेल विभाग

(एजेंसी)।

इंडिया स्पोर्टिंग गुड्स फेयर (आईएसजीएफ) 2026 का चौथा संस्करण भारत को खेल सामग्री विनिर्माण, निर्यात और व्यापार का वैश्विक केंद्र बनाने पर विशेष बल देने के साथ शुरू हुआ।

प्रदर्शकों, अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और हितधारकों को संबोधित करते हुए, युवा मामले और खेल मंत्रालय के सचिव (खेल), हरि रंजन राव ने कहा, "यह भारत के खेल सामग्री उद्योग के विकास पथ में एक स्वर्णिम काल है।"

एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए, राव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का लक्ष्य खेल सामग्री के निर्यात को लगभग 3,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 80,000 करोड़ रुपये करना है।

आवश्यक परिवर्तन के पैमाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'यदि हमें 3,000 करोड़ रु से 80,000 करोड़ रु तक पहुंचना है, तो प्रत्येक निमार्ता को अपने उत्पादन का पैमाना लगभग 25 गुना बढ़ाना होगा। यदि आप बड़े सपने नहीं देखेंगे, तो आप उन्हें हासिल नहीं कर पाएंगे।'

निमार्ताओं से आग्रह किया गया कि वे आक्रामक रूप से उत्पादन बढ़ाएं, वैश्विक स्तर पर विस्तार करें और नवाचार और निवेश द्वारा संचालित एक दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाएं, जिसमें इस विस्तार का नेतृत्व करने में युवाओं और अगली पीढ़ी के उद्यमियों की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया।

राव ने कहा, "हमारा लक्ष्य भारत में विश्व की सबसे बड़ी खेल सामग्री प्रदर्शनी का आयोजन करना है, जिसमें विश्व भर के प्रदर्शकों की भागीदारी हो।"

सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए राव ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए केंद्रीय बजट में पहले ही 500 करोड़ रुपये आवंटित किए जा चुके हैं।

इस बात पर जोर दिया गया कि यद्यपि सरकार पूरा नीतिगत समर्थन देगी, लेकिन क्रियान्वयन का नेतृत्व उद्योग को ही करना होगा।

'हम खेल विनिर्माण क्षेत्र में और भी नए निमार्ताओं को प्रवेश करते देखना चाहते हैं। उद्योग को संयुक्त उद्यमों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का सक्रिय रूप से पता लगाना चाहिए, और मंत्रालय ऐसी साझेदारियों का खुशी से समर्थन करेगा,' खेल सचिव ने कहा।

सभा को संबोधित करते हुए, संयुक्त सचिव (खेल), विनील कृष्णा ने सरकार के व्यापक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला और कहा, "सरकार खेल सामग्री विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार करने के लिए बहुत महत्वाकांक्षी है, न केवल घरेलू मांग को पूरा करने के लिए बल्कि भारत की वैश्विक निर्यात क्षमता को बढ़ाने के लिए भी।"

उन्होंने कहा, "हमें उम्मीद है कि अगले कुछ महीनों में आवश्यक स्वीकृतियां मिलने के बाद हम खेल सामग्री निर्माण योजना शुरू करने में सक्षम होंगे।"

संयुक्त सचिव (खेल) ने देश में खेल सामग्री निर्माण के विस्तार को बढ़ावा देने में कई राज्य सरकारों की बढ़ती रुचि पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने आगे कहा, "अगला दशक खेल क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी होने वाला है, और आप सभी इस विकास गाथा का हिस्सा होंगे।"

स्पोर्ट्स गुड्स एंड टॉयज एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल द्वारा आयोजित आईएसजीएफ का आयोजन 31 मार्च से 2 अप्रैल, 2026 तक द्वारका स्थित यशोभूमि में किया जा रहा है।

आईएसजीएफ के चौथे संस्करण में 75 प्रदर्शक शामिल हैं जो एथलेटिक सामान, बैडमिंटन और टेनिस उपकरण, बॉक्सिंग गियर, क्रिकेट उपकरण, फिटनेस उपकरण, खेल परिधान, इनडोर खेल उपकरण और खिलौनों सहित उत्पादों की एक विविध श्रृंखला का प्रदर्शन कर रहे हैं।

नेटाफिम ने स्मार्ट फर्टिगेशन के लिए 5वीं पीढ़ी की अकआधारित ऑटोमेटेड डोज़िंग मशीनें प्रस्तुत कीं

31 मार्च 2026: प्रिसिजन इरिगेशन (टपक सिंचाई) के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनी नेटाफिम (ऑर्बिया का प्रिसिजन एग्रीकल्चर बिजनेस) ने अपनी 5वीं पीढ़ी की 'अक-आधारित ऑटोमेटेड डोज़िंग' रेंज लॉन्च की है। यह नई रेंज एडवांस कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) पर आधारित तकनीक के जरिए फर्टिगेशन (सिंचाई के साथ खाद देना) को बेहतर बनाने के साथ-साथ आसान रिमोट कंट्रोल और मॉनिटरिंग की सुविधा भी देती है। इसमें फर्टिकिटट्ठ 5ॠ फर्टिवनट्ठ 5ॠ नेटाजेटट्ठ 5ॠ और नेटाफ्लेक्सट्ठ 5ॠ जैसे उत्पाद शामिल हैं।

नेटाफिम की डोज़िंग 5ॠ रेंज आधुनिक पोषक तत्व प्रबंधन तकनीक और किसानों के लिए आसान उपयोग का बेहतरीन मेल है। इसे खुले खेतों और संरक्षित खेती (जैसे ग्रीनहाउस) दोनों के लिए बनाया गया है। यह सिस्टम खुद से सीखने वाली एआई तकनीक का इस्तेमाल करता है, जो फसल की जरूरत के हिसाब से पोषक तत्वों की मात्रा को सटीक तरीके से नियंत्रित करता है। इससे खाद के जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल पर रोक लगती है और पैदावार के साथ-साथ फसल की क्वालिटी भी सुधरती है।

खाद, पानी और बिजली की खपत को सही करके यह तकनीक खेती की लागत और मेहनत को कम करती है, साथ ही ज़िम्मेदार खेती को बढ़ावा देती है। यह पोषक तत्वों के बह जाने और भूजल के प्रदूषित होने के खतरे को भी कम करता है, जिससे मिट्टी और पानी लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं। पूरी डोज़िंग 5ॠ रेंज नेटाफिम के 'ग्रोस्फेयर' डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ आसानी से जुड़ जाती है, जिससे किसान एक ही जगह से सिंचाई और फर्टिगेशन की नियोजन, निगरानी और प्रबंधन कर सकते हैं। इसके कस्टमाइज होने वाले मल्टी-चैनल नियंत्रण की मदद से किसान बुवाई से लेकर कटाई तक पूरी फसल के दौरान ज्यादा सटीकता और ऑटोमेशन का फायदा उठा सकते हैं।

नेटाफिम इरिगेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, श्री विकास सोनावणे ने कहा, "भारत के किसानों को बढ़ती लागत, पानी की कमी, खाद की मात्रा में अनिश्चितता और रियल-टाइम जानकारी की कमी जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे अक्सर खाद की बबार्दी होती है और मुनाफा कम हो जाता है। इन्हीं समस्याओं को हल करने के लिए नेटाफिम ने डोज़िंग 5ॠ पेश किया है। यह एआई-आधारित समाधान फर्टिगेशन मैनेजमेंट में सटीकता, ऑटोमेशन और रिमोट निगरानी लेकर आता है, जिससे कम मेहनत में पोषक तत्वों की सही मात्रा फसल तक पहुँचती है। डोज़िंग की सटीकता और पानी के बेहतर इस्तेमाल से फसल की क्वालिटी सुधरती है और खेती में मुनाफा बढ़ता है। इससे पानी का टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित होता है, जिससे भारतीय किसान पानी की हर बूंद और खाद के हर कण का पूरा लाभ उठा पाएंगे।"

डोज़िंग 5ॠ प्रोडक्ट रेंज में शामिल हैं:

ड्ट फर्टिकिटट्ठ 5ॠ यह एक बेहद लचीला और कस्टमाइज होने वाला फर्टिगेशन सिस्टम है, जिसे खास तौर पर खुले खेतों और बागानों के लिए बनाया गया है। इसके नौ अलग-अलग मॉडल उपलब्ध हैं, जिन्हें आप अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से डोज़िंग के प्रकार, चैनल, पानी के बहाव, प्रेशर रेंज, टैंक सेटअप (एसिड के लिए भी), बिजली और पानी के स्रोत के अनुसार सेट कर सकते हैं।

ड्ट फर्टिवनट्ठ 5ॠ यह फर्टिगेशन के लिए एक आसान और असरदार समाधान है। इसमें सिंगल-चैनल डोज़िंग सिस्टम दिया गया है जो खाद का एकसमान वितरण सुनिश्चित करता है। इसकी सबसे बड़ी खूबी इसका 'प्लग-एंड-प्ले' इंस्टॉलेशन है, जिससे इसे तुरंत और आसानी से लगाया जा सकता है। यह छोटे क्षेत्र के लिए उपयुक्त है`

ड्ट नेटाजेटट्ठ 5ॠ यह संवेदनशील फसलों या कम समय वाली सिंचाई के लिए बहुत तेजी से एउ/स्रह्र को नियंत्रित (रड्ढ्'९ी) करता है। इसमें 'एडाप्टिव डोज़िंग कंट्रोल' दिया गया है, जिसका मतलब है कि इसमें किसी मैन्युअल सेटिंग या बाहरी विशेषज्ञ की मदद की जरूरत नहीं पड़ती।

ड्ट नेटाफ्लेक्सट्ठ 5ॠ यह एक एडवांस और एकसमान फर्टिगेशन करने वाला सिस्टम है। यह खाद के सटीक इस्तेमाल के लिए 'ओपन टैंक मिक्सिंग' का उपयोग करता है। इसमें एउ/स्रह्र डुअल सेंसर तकनीक दी गई है, जो बहुत ही बारीक और सटीक नियंत्रण सुनिश्चित करती है।

डोज़िंग 5ॠ सिस्टम का इस्तेमाल पहले ही शुरू किया जा चुका है और इसके शुरूआती नतीजे बहुत उत्साहजनक रहे हैं। किसानों का अनुभव है कि खाद का उपयोग अब ज्यादा प्रभावी हो गया है। ये नतीजे साबित करते हैं कि यह सिस्टम ज्यादा पैदावार, बेहतर क्वालिटी की फसल, पोषक तत्वों के बहकर बर्बाद होने में कमी और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए एक शक्तिशाली समाधान है।

स्टाइल आइकन रितिक रोशन बने ओएनएन ब्रांड के एम्बेसडर, प्रीमियम सेगमेंट पर फोकस तेज

लखनऊ, 31 मार्च 2026: देश की प्रमुख इनरवियर कंपनी लक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने प्रीमियम वियर ब्रांड डठठ के लिए बॉलीवुड अभिनेता रितिक रोशन को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है। इस कदम के जरिए कंपनी भारत के तेजी से बढ़ते प्रीमियम इनरवियर और थर्मल वियर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है।

कंपनी की यह साझेदारी डठठ ब्रांड की पहचान को मजबूत करने और खासकर युवा एवं महत्वाकांक्षी उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। डठठ को एक आधुनिक लाइफस्टाइल ब्रांड के रूप में पेश किया गया है, जो कंफर्ट, परफॉर्मेंस और स्टाइल का संतुलित अनुभव देता है।

अशोक तोड़ी चेयरमैन, लक्स इंडस्ट्रीज ने कहा कि यह सहयोग कंपनी के पोर्टफोलियो में मजबूत और प्रेरणादायक ब्रांड बनाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि डठठ नई पीढ़ी के लिए आधुनिक डिजाइन, बेहतर आराम और स्टाइल प्रदान करने की कंपनी की सोच का प्रतिनिधित्व करता है, और रितिक रोशन की व्यक्तित्व और फिटनेस ब्रांड के मूल्यों से मेल खाती है।

वहीं, साकेत तोड़ी, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लक्स इंडस्ट्रीज के अनुसार, इस साझेदारी से ब्रांड की दृश्यता बढ़ेगी और प्रीमियम एवं परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड इनरवियर की तलाश कर रहे ग्राहकों से मजबूत जुड़ाव बनेगा।

इस सहयोग पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए रितिक रोशन ने कहा कि व्यक्तिगत स्टाइल की नींव आराम और आत्मविश्वास है। डठठ का गुणवत्ता, इनोवेशन और आधुनिक डिजाइन पर फोकस उनकी लाइफस्टाइल सोच से मेल खाता है।

इस कैंपेन के तहत रितिक रोशन टीवी, डिजिटल प्लेटफॉर्म, रिटेल और आउटडोर मीडिया पर विभिन्न मार्केटिंग अभियानों में नजर आएंगे। इस कैंपेन को रेडिफ्यूजन ब्रांड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड. द्वारा तैयार किया गया है।

प्रमोद शर्मा, नेशनल क्रिएटिव डायरेक्टर, रेडिफ्यूजन ने कहा कि डठठ स्टाइल, परफॉर्मेंस और रोजमर्रा के आराम का बेहतरीन संगम है और रितिक रोशन इन सभी गुणों का सटीक प्रतिनिधित्व करते हैं।

देशभर में मल्टी-चैनल प्लेटफॉर्म्स पर यह कैंपेन शुरू किया जा रहा है, जिससे डठठ की पहुंच स्टाइल-कॉन्शियस युवा उपभोक्ताओं तक और मजबूत होगी। इस नई साझेदारी के साथ लक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड डठठ ब्रांड की ग्रोथ को गति देने और प्रीमियम सेगमेंट में अपनी स्थिति और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इस्पात मंत्रालय एवं उसके पीएसयू द्वारा 16 से 31 मार्च 2026 तक देशभर में 'स्वच्छता पखवाड़ा' का आयोजन

(एजेंसी)।

इस्पात मंत्रालय और उसके प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सभी पीएसयू/संस्थानों जैसे सेल, एनएमडीसी, आरआईएनएल, केआईओसीएल, मॉयल, मेकॉन, एमएसटीसी, निर्स्ट, जेपीसी और बीपीएनएसआई ने 16 से 31 मार्च, 2026 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा' मनाया। यह पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा जारी वर्ष 2026 के स्वच्छता पखवाड़ा कैलेंडर के अनुसार था। मंत्रालय के अधिकारियों/पदाधिकारियों और देश भर में फैले पीएसयू के विभिन्न संयंत्रों/इकाइयों के कर्मचारियों ने पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

पखवाड़े की शुरूआत इस्पात मंत्रालय में 'स्वच्छता शपथ' दिलाने के साथ हुई। जागरूकता फैलाने के लिए मंत्रालय के कार्यालय परिसर के प्रमुख स्थानों पर बैनर और स्टैंडी प्रदर्शित किए गए। मंत्रालय के परिसर में गहन सफाई अभियान चलाया गया। स्वच्छता का निरीक्षण करने के लिए अधिकारियों की एक टीम द्वारा मंत्रालय के कमरों/पुस्तकालय/रिकॉर्ड सेल का स्वच्छता निरीक्षण भी किया गया। पीएसयू ने 28 मार्च, 2026 को 'इस्पात सुरक्षा दिवस' का आयोजन किया। स्वच्छता पखवाड़ा 31 मार्च, 2026 को मंत्रालय और इसके अधीन सभी पीएसयू/संस्थानों में वर्ष भर सफाई गतिविधियों को जारी रखने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ।

स्वच्छता पखवाड़े के दौरान, मंत्रालय और इसके पीएसयू/संस्थानों ने स्वच्छता और जागरूकता गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित की। इनमें स्वच्छता शपथ दिलाना, अग्नि सुरक्षा ड्रिल आयोजित करना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशालाएं करना और टाउनशिप, कारखानों, आसपास के गांवों, झुग्गी-बस्तियों और उनके द्वारा संचालित स्कूलों में स्वच्छता अभियान चलाना शामिल है। इसके अतिरिक्त, सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

भविष्य की ओर देखते हुए, इस्पात मंत्रालय के अधीन पीएसयू स्वच्छता कार्य योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए विस्तृत योजनाएं तैयार कर रहे हैं। ये योजनाएं पर्यावरणीय स्थिरता के प्रमुख उपायों पर केंद्रित हैं, जैसे कि स्लैग को कम करना और हटाना, लौह अयस्क के महीन कणों को न्यूनतम करना और बिजली उत्पादन के लिए गैसीय कचरे की रिसाइकिलिंग करना।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने डाक कर्मचारियों के मुद्दों पर विचार करने का आश्वासन दिया

डाक कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की; प्रधानमंत्री मोदी और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए धन्यवाद दिया

सेवा सुधार, कल्याण और भविष्य की तैयारियों पर चर्चा हुई

डाक संघों ने केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ बैठक में कैडर पुनर्गठन, पेंशन आदि से संबंधित मुद्दों को उठाया

(एजेंसी)।

डाक कर्मचारियों और विभिन्न डाक संघों के प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की। उन्होंने समय-समय पर उनके मुद्दों को प्रभावी ढंग से निपटाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को धन्यवाद दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने डाक विभाग से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें कुछ क्षेत्रों में कैडर पुनर्गठन, वित्तीय उन्नयन योजनाओं का कार्यान्वयन और पेंशन संबंधी मामले शामिल हैं। मेल मोटर सेवा और संचार व्यवस्था में इसके भविष्य की भूमिका से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

पेंशन और पारिवारिक पेंशन संबंधी मुद्दों को लेकर कई अभ्यावेदन दिए गए। इस संदर्भ में, डॉ. जितेंद्र सिंह ने लंबे समय से लंबित मामलों के त्वरित समाधान के लिए पेंशन अदालत, सीपीएनजीआरएएम और पेंशन शिकायत मंचों सहित मौजूदा संस्थागत तंत्रों का प्रभावी उपयोग करने का सुझाव दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने मौजूदा योजनाओं के तहत करियर में प्रगति से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की और सभी क्षेत्रों में कार्यान्वयन में अधिक एकरूपता की मांग की। सामाजिक सुरक्षा कवरेज और कल्याणकारी उपायों सहित ग्रामीण डाक सेवकों (जीडीएस) से संबंधित मामलों पर भी चर्चा हुई।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने देश भर में, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में, अंतिम व्यक्ति तक सेवा वितरण सुनिश्चित करने और चुनौतीपूर्ण समय के दौरान आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने में डाक कर्मचारियों के योगदान को स्वीकार किया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने संचार और सेवा वितरण के बदलते स्वरूप का उल्लेख करते हुए उभरती प्रौद्योगिकियों और सार्वजनिक आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यबल संरचनाओं और सेवा मॉडलों को दुरूस्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने प्रशासनिक और सेवा सुधारों के व्यापक ढांचे के भीतर नए रास्ते और अवसर तलाशने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

इस वार्ता में परमाणु ऊर्जा और संबद्ध क्षेत्रों से जुड़े क्षेत्रों में समन्वय से संबंधित चचार्एं भी शामिल थीं। इसका उद्देश्य संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करना और हितधारकों की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना था।

डॉ सिंह ने यह भी संकेत दिया कि कैडर पुनर्गठन से संबंधित मामलों की जांच संबंधित अधिकारियों के समन्वय से स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार की जाएगी।

उन्होंने बताया कि उठाए गए मुद्दों पर स्थापित नीतिगत प्रावधानों और लागू नियमों के अनुसार उचित विचार-विमर्श के लिए संबंधित मंत्रालयों और विभागों के साथ चर्चा की जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल ने बातचीत पर संतोष व्यक्त किया और मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ इस तरह की नियमित, विस्तृत और रचनात्मक बैठकों के अवसर की सराहना की।

उ.प्र. सरकार के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा का समन्वयक समिति का अध्यक्ष चुना गया

लखनऊ ।

लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष रमेश श्रीवास्तव एवं समाजसेवी शेखर श्रीवास्तव ने संयुक्त बयान में बताया कि आज लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों के कायस्थ चित्रांश संगठन के पदाधिकारी एवं प्रांतीय संगठन के पदाधिकारी व गणमान्य बिरादरी के लोगों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन को समन्वयक समिति का अध्यक्ष चुना गया । अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के अध्यक्ष इंद्रसेन श्रीवास्तव एवं अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के अध्यक्ष संजीव वर्मा ने अंग वस्त्र एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया । कार्यक्रम के विशेष अतिथि पूर्व आईएएस अधिकारी डी एन लाल ने इस प्रयास की सराहना की। मुख्य अतिथि आलोक रंजन ने विनम्रता से पद को स्वीकार किया एवं बिरादरी के नौजवानों से अपील किया की प्रशासनिक सेवा में ज्यादा से ज्यादा अपनी भागीदारी बढ़ाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त पूर्व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमल वर्मा ने कहा कि समाज के सभी लोगों को एकजुट होकर इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए बिरादरी के ज्यादातर लोगों की मदद करें। उक्त अवसर पर उपस्थित फाउंडर अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व सूचना आयुक्त वीरेंद्र सक्सेना ने कहा की सही व्यक्ति और सही दिशा में यह प्रयास है और उन्होंने बधाई दिया।

इस अवसर पर स्वर्गीय विनोद बिहारी वर्मा के द्वारा चित्रांश की सेवा को भी याद किया गया उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ रमेश चंद्र श्रीवास्तव, सुबोध श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव,संतोष निगम, दीपक रंजन, अमित श्रीवास्तव त्यागी, अंशु, पुष्पेंद्र, देवेश, अरुण निगम, बालकेश्वर, विकास, रितु खरे, मिथिलेश, ममता, नकुल सक्सेना, इंदिरा नगर के राजेंद्र श्रीवास्तव, गोमती नगर के राजेश श्रीवास्तव, आवास विकास नगर केअतुल श्रीवास्तव, विक्रम नगर के मुनेंद्र श्रीवास्तव,संगत, पंकज, मनोज लाल,आरके श्रीवास्तव,मोहित श्रीवास्तव, आनंद श्रीवास्तव, दिनेश खरे इत्यादि ।विभिन्न संगठनों के भारी संख्या में पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे ।राजनीतिक पार्टी से संबंध विभिन्न पार्टियों के कायस्थ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे ।

शालीमार वन वर्ल्ड, लखनऊ में 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह उत्साहपूर्वक संपन्न

निर्माण कार्य से जुड़े विभिन्न सुरक्षा पैमानों की कसौटी पर परखीं गई व्यवस्थाएं

प्रैक्टिकल ट्रेनिंग में सुरक्षा उपकरणों के महत्व से परिचित हुए श्रमिक एवं कर्मचारी

लखनऊ, 31 मार्च, 2026, "शालीमार वन वर्ल्ड" में 55वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन बड़े उत्साह, समर्पण और सक्रिय सहभागिता के साथ किया गया। इस वर्ष का विषय था – 'सुरक्षा बढ़ाने के लिए लोगों को जोड़ें, शिक्षित करें और सशक्त बनाएं'।

सुरक्षा सप्ताह की शुरूआत उद्घाटन समारोह एवं ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसमें वरिष्ठ प्रबंधन ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कार्यस्थल पर मजबूत सुरक्षा संस्कृति बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस दौरान कर्मचारियों एवं श्रमिकों के बीच जागरूकता और भागीदारी बढ़ाने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनमें आपातकालीन मॉक ड्रिल, कार्य-विशिष्ट प्रशिक्षण सत्र, अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण, दैनिक टूलबॉक्स टॉक्स, चिकित्सा एवं नेत्र जांच शिविर, सुरक्षा पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिताएँ, प्रदर्शनी गैलरी तथा सुरक्षा सेल्फी पॉइंट प्रमुख आकर्षण रहे। सभी प्रतिभागियों ने सुरक्षा शपथ लेकर सुरक्षित कार्य वातावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम का समापन शालीमार सेंट्रल पार्क में आयोजित समापन समारोह के साथ हुआ, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों, ठेकेदारों एवं श्रमिकों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर शालीमार कार्प के डायरेक्टर श्री कुणाल सेठ ने कहा 'शालीमार में सुरक्षा केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि हमारी कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के माध्यम से हम अपने कर्मचारियों और श्रमिकों को न केवल जागरूक करते हैं, बल्कि उन्हें सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए सशक्त भी बनाते हैं। हमारी प्राथमिकता है कि हर व्यक्ति सुरक्षित रहे और हम एक स्वस्थ एवं जोखिम-मुक्त कार्य वातावरण सुनिश्चित करें।'

लोगों को विश्वस्तरीय सुविधाएं देने के लिए शालीमार निरंतर निर्माण की प्रक्रिया से आगे बढ़ रहा है।

सुरक्षित भारत निर्माण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करते हुए कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि सुरक्षित कार्यस्थल बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी द्वारा महावीर जयंती पर वृक्षारोपण

गाजियाबाद। इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी द्वारा महावीर जयंती पर विशेष वृक्षारोपण

गाजियाबाद, क्रॉसिंग रिपब्लिक ग्रीन बेल्ट परिसर में इंटरनेशनल गुडविल सोसायटी आफ इंडिया के गाजियाबाद चैप्टर द्वारा मंगलवार को श्री महावीर जयंती के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण किया गया।

उक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम में गाजियाबाद चैप्टर के प्रेसिडेंट डॉ अशोक कुमार शर्मा सहित उमेश जैन, डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव, शालिनी यादव, जे एस यादव, अनिल अग्रवाल, आर के गुप्ता, एस के शर्मा, तरुण शर्मा, के एन ठाकुर व अन्य सदस्यों ने बड़े जोश व उत्साह के साथ वृक्षारोपण कर कार्यक्रम को यादगार बनाया। चाइना डॉल के नाम से मशहूर पौधा रेडरमाचेरा का वृक्षारोपण किया गया जो स्वच्छ ऑक्सीजन देने के साथ अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। उक्त वृक्षारोपण अभियान में क्रॉसिंग रिपब्लिक के सीआईपीएल टीम का सराहनीय योगदान रहा।

एनसीएल ने समय से पहले वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य को किया पार

लक्ष्य से अधिक उत्पादन करने की वर्षों की परंपरा को रखा जारी

(एजेंसी)।

सिंगरौली। देश की ऊर्जा संरक्षा को समर्पित कोल इंडिया लिमिटेड की सिंगरौली स्थित मिनीरत्न कंपनी एनसीएल ने सोमवार को प्रथम पाली तक 140 मिलियन टन कोयला उत्पादन कर एक दिन शेष रहते वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य को हासिल कर इतिहास रच दिया।

''कोयला है तो भरोसा है' की परिकल्पना को चरितार्थ करते हुए, 140 मिलियन टन का यह ऐतिहासिक उत्पादन राष्ट्र की प्रगति के प्रति टीम एनसीएल की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

मौजूदा ऊर्जा परिदृश्य में, घरेलू स्तर पर उत्पादित कोयला एक बार फिर भारत के बिजली क्षेत्र की एक भरोसेमंद रीढ़ साबित हो रहा है। इस संदर्भ में, एनसीएल के लगातार और बढ़े हुए उत्पादन ने तापीय बिजली संयंत्रों को कोयले की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है।

अपनी 10 मशीनीकृत ओपनकास्ट खदानों के माध्यम से एनसीएल वर्षों से लगातार वार्षिक उत्पादन लक्ष्यों को हासिल करते आ रही है, जो इसकी निरंतर परिचालन उत्कृष्टता को रेखांकित करती है।

एनसीएल की यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि कोयला देश के लिए सबसे किफायती उपलब्ध ऊर्जा संसाधन बना हुआ है, और आने वाले वर्षों में भी यह बिजली उत्पादन के प्रमुख स्रोत के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा।

एनसीएल प्रबंधन ने कंपनी की इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए टीम एनसीएल व विभिन्न हितग्राहियों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी कंपनी इसी प्रकार देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी । एनसीएल की इस उपलब्धि में कंपनी की सभी उत्पादन परियोजनाओं ने महत्वपूर्ण

फराज अहमद सिद्दीकी बने पीसीएस अधिकारी, क्षेत्र में खुशी की लहर

लखनऊ/प्रयागराज। क्षेत्र के होनहार युवक फराज अहमद सिद्दीकी ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (ढउर) परीक्षा में सफलता हासिल कर पीसीएस अधिकारी बनकर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिजनों, मित्रों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

फराज अहमद सिद्दीकी की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखते हुए यह मुकाम हासिल किया। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

परिवार के सदस्यों और शुभचिंतकों ने फराज को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सभी ने कहा कि यह सफलता उनकी निरंतर मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

इस अवसर पर लोगों ने दुआ की कि अल्लाह उन्हें और ऊंचाइयों तक पहुंचाए तथा वे समाज और देश की सेवा करते हुए सफलता की नई मिसाल कायम करें। फराज अहमद सिद्दीकी को ढेर सारी मुबारकबाद और शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

बुकिंग के बाद भी नहीं मिल रहे गैस सिलेंडर, उपभोक्ताओं ने कालाबाजारी का लगाया आरोप

खखरेरू /फतेहपुर क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत को लेकर उपभोक्ताओं में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। गैस बुकिंग के एक सप्ताह बाद भी सिलेंडर न मिलने से लोग परेशान हैं। उपभोक्ताओं ने स्टॉक की कमी का हवाला देकर कालाबाजारी किए जाने का आरोप लगाया है।

पनिहा बाबा के पास स्थित इंडेन गैस एजेंसी पर सुबह से देर रात तक उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लगी रहती हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी कई लोगों को बिना सिलेंडर लौटना पड़ रहा है।

खैरई गांव निवासी राममिलन ने बताया कि उन्होंने एक सप्ताह पहले गैस बुकिंग कराई थी। सिलेंडर लेने एजेंसी पहुंचे तो कर्मचारियों ने बताया कि सिलेंडर पहले ही डिलीवर किया जा चुका है। जबकि वह सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक लाइन में लगे रहे, फिर भी सिलेंडर नहीं मिला।

पौली गांव की प्रीति देवी ने बताया कि उन्होंने भी एक सप्ताह पहले गैस बुकिंग कराई थी। वह दोपहर एक बजे एजेंसी पहुंचीं, जहां ओटीपी लेने के बाद भी रात आठ बजे तक उन्हें सिलेंडर नहीं दिया गया। उन्होंने बताया कि पति बाहर मजदूरी करते हैं और छोटे बच्चों को घर पर छोड़कर गैस लेने आई थीं, लेकिन उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा।

लाइन में खड़े अन्य उपभोक्ताओं ने भी तीन-चार दिन से सिलेंडर न मिलने की शिकायत की। उपभोक्ताओं ने प्रशासन से जांच कर कार्रवाई की मांग की

अनपरा कॉलोनी स्थित ऑपरेटिंग क्लब के मैदान पर हो रहे अनपरा नाइट प्रीमियर लीग का सफल आयोजन

(एजेंसी)।

अनपरा (सोनभद्र)। अनपरा कॉलोनी स्थित ऑपरेटिंग क्लब के मैदान पर हो रहे अनपरा नाइट प्रीमियर लीग (अठढछ) 2026 सोमवार के मैच मे पहला मैच नियॉन नाइट वर्सेज ग्लाइडर के बीच खेला गया जिसमे नियॉन नाइट पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवरों मे 5 विकेट के नुकसान पर 81 रन बनाये जिसमे सर्वाधिक सचिन कनोजिया ने 18 गेंदों पर 30 रन बनाये जवाब मे दूसरी टीम ग्लेडिएटर 82रन बना पायी 5 विकेट से मैच जीत लिया,

इस मैच में दीपक भारती ने 28 गेंदों पर 42 रन बनाए।

दूसरा मैच टर्मिनेटर वर्सेज डी एलिमिनेटर के बीच खेला गया जिसमे डी एलिमिनेटर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की जिसमें 12 ओवर में 102 रनो का लक्ष्य दिया जिसमे शरद यादव ने 9 गेंद पर 23 रन बनाए वही दूसरी टीम टर्मिनेटर ने 5 विकेट के नुकसान पर 103 रन बना पाई और मैच जीत लिया ।ये दोनों मैच मे मैन ऑफ द मैच क्रमशः दीपक भारती तथा सौरभ चंद यादव रहे ।निर्णायक की भूमिका में विशाल शाही और नवीन सागर रहे स्कोरर की भूमिका , जितेंद्र प्रजापति, अक्षय लाल ने निभाई , प्रतियोगिता इस दौरान कमेटी के इं चंद्र प्रकाश, इं विजय दिनकर,महबूब अहमद,इं विष्णु देव झा, इं असुरजीत शर्मा, इं प्रवीण कश्यप, प्रशांत उपाध्याय, सुजीत सोनी,अविनाश सिंह , बिंदेश सिंह,सुरेंद्र, नवीन सागर, प्रदीप मौर्या, रविकांत गुड, समेत सैंकड़ो खेल प्रेमी उपस्थित रहे कमेंट्री की भूमिका में शक्तिप्रकाश रहे

ईएमआरएस की उपलब्धियों का प्रदर्शन करते हुए, 1 अप्रैल को एनईएसटीएस मनाएगा अपना 8वां स्थापना दिवस

जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने जनजातीय शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पुनः व्यक्त की; मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा

(एजेंसी)।

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय जनजातीय छात्र शिक्षा सोसाइटी (एनईएसटीएस), 1 अप्रैल, 2026 को डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में अपना 8वां स्थापना दिवस मनाएगा।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, एनईएसटीएस देशभर में जनजातीय समुदायों के लिए शैक्षिक अवसरों को सुदृढ़ करने के अपने मिशन को आगे बढ़ा रहा है। संगठन को एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) की स्थापना, प्रबंधन एवं समर्थन करने तथा जनजातीय विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण एवं समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न पहलें करने का दायित्व सौंपा गया है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओराम उपस्थित रहेंगे। माननीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुगार्दास उइके, माननीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण संबंधी संसदीय समिति के माननीय अध्यक्ष श्री फग्गन सिंह कुलस्ते तथा जनजातीय कार्य मंत्रालय की सचिव श्रीमती रंजना चोपड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इस अवसर पर कई माननीय संसद सदस्यों के भी उपस्थित रहने की उम्मीद है।

कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों के संबोधन तथा गत वर्ष के दौरान ईएमआरएस की प्रमुख पहलों एवं उपलब्धियों को रेखांकित करने वाली एक प्रस्तुति शामिल होगी। ईएमआरएस मणिपुर के विद्यार्थी जनजातीय समुदायों की समृद्ध परंपराओं एवं विरासत को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। इसके अतिरिक्त, देशभर से मेधावी विद्यार्थियों को शैक्षणिक तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा।

अपनी स्थापना से ही, एनईएसटीएस ईएमआरएस नेटवर्क के माध्यम से जनजातीय विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अवसंरचना को सुदृढ़ करने, शैक्षणिक सहयोग तंत्र को सशक्त बनाने तथा जनजातीय युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने में उल्लेखनीय प्रगति की गई है। ईएमआरएस पहल के माध्यम से, जनजातीय कार्य मंत्रालय शिक्षा के जरिए जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के प्रति अपनी वचनबद्धता पुनः व्यक्त करता है, जिससे विद्यार्थी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहते हुए शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।

'संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए जनता अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाएगी' – मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने एक तीखा और तथ्यपरक प्रेस बयान जारी करते हुए केंद्र और उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार संविधान की मूल भावना के विरुद्ध कार्य करते हुए 'बुलडोजर राज' स्थापित कर चुकी है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया दोनों के लिए घातक है।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारतीय संविधान और विधि व्यवस्था में कहीं भी यह प्रावधान नहीं है कि किसी व्यक्ति को न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए बिना उसके घर या संपत्ति को ध्वस्त कर दिया जाए। केवल एफआईआर के आधार पर, बिना निष्पक्ष सुनवाई के, पूरे परिवार को दंडित करना न केवल अन्यायपूर्ण है बल्कि यह विधि के शासन का खुला उल्लंघन है।

मोहम्मद अरशद खान ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में बढ़ती कथित 'हाफ एनकाउंटर' घटनाओं पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हजारों लोगों को अपंग बना देना या संदिग्ध परिस्थितियों में मुठभेड़ों के नाम पर मार देना कानून व्यवस्था नहीं, बल्कि भय और दमन की राजनीति है। उन्होंने हालिया घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि जब तक किसी मामले की निष्पक्ष जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक इस प्रकार की कार्रवाई न्याय के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है।

उन्होंने बुलंदशहर की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक पुलिस इंस्पेक्टर की हत्या के आरोपियों को सत्ता से जुड़े लोगों द्वारा सम्मानित किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है, जबकि पीड़ित परिवार अब तक न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है। यह दोहरे मापदंड और पक्षपातपूर्ण रवैये को दशार्ता है।

रोजगार के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को पर्याप्त नौकरियां नहीं दी जा रही हैं, और जो सीमित अवसर उपलब्ध हैं उनमें भी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग को संविधान प्रदत्त आरक्षण का समुचित लाभ नहीं मिल रहा है। इससे सामाजिक न्याय की अवधारणा कमजोर हो रही है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में संविधान और आरक्षण दोनों गंभीर खतरे में हैं। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश की जागरूक जनता आगामी विधानसभा चुनाव में बदलाव का मन बना चुकी है। अंत में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश की जनता संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए समाजवादी विचारधारा को अपनाते हुए अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री बनाएगी।

● 'यह चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि संविधान और अधिकारों की रक्षा का निर्णायक संघर्ष होगा'